ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 27 | जून-I-2025 | अंक - 05 | माउण्ट आबू | Rs.-12

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सैनिकों के लिए 'आत्म सशक्तिकरण से राष्ट्र सशक्तिकरण' कार्यक्रम के लॉचिंग अवसर पर

यहाँ आध्यात्मिक प्रकंपन से चार्ज चुम्बकीय वातावरणः सिंह

शान्तिवन-आबू रोड(राज.)। केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय शान्तिवन में सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा शुरू किए जा रहे देशव्यापी 'स्व सशक्तिकरण से राष्ट्र सशक्तिकरण(सेल्फ एम्पॉवरमेंट)' कैंपेन की दीप प्रज्वलन कर लॉन्चिंग की। साथ ही पांच दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को सम्बोधित किया। इसमें देशभर से 400 सेना के अधिकारी और जवानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राजस्थान के तीन मंत्री केके विश्नोई, जोराराम कुमावत और ओटाराम देवासी विशेष रूप से मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर बोले सिंह

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 42 मिनट के अपने सम्बोधन में योग से लेकर अध्यात्म, सेना, भारतीय अर्थव्यवस्था और सेल्फ एम्पॉवरमेंट पर बात की। उन्होंने कहा कि आज भारत राष्ट्र के रूप में चारों ओर से सुरक्षित है। जो यहां बैठे हुए लोग हैं, इनके कारण भारत सुरक्षित है। दुनियाभर में तमाम अनिश्चितताओं के बावजूद आज भारत प्रगति कर रहा है। हमारे सिक्योरिटी फोर्स जवान सीमाओं पर महीनों गुजार जाते हैं, परिवार से कोई संपर्क नहीं हो पाता है। एक सैनिक के लिए फिज़िकल स्ट्रेन्थ के साथ-साथ मेन्टल स्ट्रेन्थ भी चाहिए होती है। क्योंकि वे सैनिक घने जंगलों से लेकर ग्लेशियर के बीच लड़ाईयां लड़ते हैं। सैनिक का विपरीत परिस्थितियों में सेवा करने के कारण मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है, ऐसे में ब्रह्माकुमारीज़ का सैनिक के कल्याण के लिए आगे आना सराहनीय कदम है। उन्होंने आगे कहा कि आज एआई का दौर चल रहा है। हमें देश-दुनिया की पल-पल की खबरें पता चल रही हैं लेकिन हमें यह पता नहीं चल रहा कि हमारे भीतर क्या चल रहा है। हम पूरी दुनिया की खबर रखते हैं लेकिन अपनी खबर नहीं रखते हैं। मंत्री महोदय ने कहा कि हम बाहरी दुनिया से तो जुड़ जाते हैं लेकिन अपने आप से नहीं जुड़ पाते हैं।

आज भारत की बात दुनिया ध्यान से सुनती

रक्षामंत्री सिंह ने कहा कि वर्षों पहले दुनिया के देशों में अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर यदि कोई जाकर बोलता था तो भारत की बातों को उतनी गंभीरतापूर्वक नहीं लिया जाता था। लेकिन आज भारत का कद और सिर इतना ऊंचा हो गया है कि भारत जब बोलता है तो पूरी दुनिया कान लगाकर सुनती है। लोग कहते थे कि यह गरीबों-भिखारियों का देश है। दो साल के बाद भारत अर्थ व्यवस्था के आकार के मामले में दुनिया में टॉप 3 देशों में शामिल हो जाएगा।

आत्म सशक्तिकरण से राष्ट्र सशक्तिकरण की नींव होगी मजबूत

सेल्फ एम्पॉवरमेंट कैंपेन पर रक्षामंत्री सिंह ने कहा कि यह अभियान की जो थीम है- 'आत्म सशक्तिकरण से राष्ट्र सशक्तिकरण' अपने आप में बेहद इन्ट्रस्टिंग है। पूरी दुनिया में फिलहाल इस तरह की स्थितियां हैं। इसलिए यह थीम और भी प्रासंगिक हो जाती है। यह कैंपेन राष्ट्र को और मजबूत करेगा। जो भारतभर में सूर्यवीर बैठे हैं उनको आत्मिक शक्ति देगा। उनका यहाँ आने पर आत्म रूपांतरण होगा। आत्म रूपांतरण बीज है और राष्ट्रीय रूपांतरण उसका फल है। आत्म रूपांतरण करने का यह अभियान- योग, सकारात्मक चिंतन और आत्म संवाद के माध्यम से हमारे वीर जवानों को मानसिक, भावनात्मक और आत्मिक बल देगा। मैं इसके लिए शीश झुकाकर आपका अभिनन्दन करता हूँ।

यहाँ आध्यात्मिक तरंगें तैर रही हैं जिससे मनुष्य का अहंकार शून्य हो जाता

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यहाँ ब्रह्माकुमारीज़ ने राजयोग साधना के माध्यम से ऊर्जा की तरंगों को फैलाया है। यह मैं सहज अनुभव कर सकता हूँ। यहाँ अद्भुत वायब्रेशन हैं। यहाँ आध्यात्मिक तरंगें तैर रही हैं। यहाँ मंत्री, सांसद सभी के साथ मिलकर जनता के बीच बैठे हैं। यहाँ आकर हर कोई का अहंकार शून्य हो जाता है। मनुष्य अपने जीवन में अलंकारों से अलंकृत नहीं हो सकता है। मनुष्य अपने जीवन में अपनी कृतियों के कारण ही अलंकृत हो सकता है। इस दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जोकि कभी मंदिर नहीं जाते, पूजा-पाठ नहीं करते, मस्जिद नहीं जाते, इबादत नहीं करते हैं फिर भी बड़े मन के लोग हैं। मनुष्य का मन जैसे-जैसे बड़ा होता चला जाता है, वैसे-वैसे वह आध्यात्मिक ऊंचाईयों को हासिल करता जाता है। आत्मा एक सर्कल है, जैसे-जैसे मन का सर्कल(परिधि) बढ़ाते जायेंगे तो आपको सुख, शान्ति और आनन्द की अनुभूति होती चली जाएगी। इस सृष्टि का संचालन करने वाली जो सत्ता है उसकी प्राप्ति होती है।

राजयोगिनी ब्र.कु. रतनमोहिनी दादी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। जिन्होंने योग, तपस्या, साधना से लाखों लोगों का जीवन बदला है। इसके पहले मैं गृहमंत्री रहते हुए यहाँ आया था, उनके सानिध्य और दर्शन का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ था।

रक्षामंत्री की मौजूदगी में ब्रह्माकुमारीज़ और भारतीय सेना के बीच एमओयू

सेना के साथ साइन किया एमओयू

रक्षामंत्री की मौजूदगी में ब्रह्माकुमारीज़ के सुरक्षा सेवा प्रभाग और भारतीय सेना के बीच एक एमओयू साइन किया गया। इसके तहत सुरक्षा सेवा प्रभाग के देशभर के सेवानिवृत अधिकारी और जवानों के लिए हर माह सेल्फ एम्पॉवरमेंट प्रोग्राम चलाएगा। एमओयू में विशेष रूप से प्रभाग की उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी, राष्ट्रीय संयोजक कर्नल बीसी सती सिंह, इंडियन नेवी रिटायर वाइस एडमिरल सतीश सिंह घोरमड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एमओयू में क्या-क्या होगा खास

एमओयू के तहत ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग एक्सपर्ट, सेना के सेवानिवृत अधिकारी और जवानों को राजयोग मेडिटेशन, माइंड मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट, स्लीप मैनेजमेंट, लाइफ मैनेजमेंट, सेल्फ मैनेजमेंट की कला सिखायेंगे। खासकर सेवानिवृत जवानों को हर माह मोटिवेशनल क्लासेज़ के माध्यम से मानसिक, भावनात्मक स्तर पर मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा ताकि वह प्रसन्नता और स्वस्थ रहकर जीवनयापन कर सकें।

भारतीय संस्कृति विश्व भर में पहुंचाई

रक्षामंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ ने निःस्वार्थ भाव से पूरी मानवता के आध्यात्मिक विकास और आत्मिक बल बढ़ाने के लिए कार्य किया है। माउंट आबू की चोटी पर स्थित ब्रह्माकुमारीज़ का यह सुन्दर-सा आध्यात्मिक केन्द्र है, जिसकी यह अनुभूति मानव तक पहुंचती है। मैं संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका

साधक और सैनिक दोनों करते हैं सेवा

साधक और सैनिक की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि हर साधक के अन्दर एक सैनिक मौजूद रहता है और सैनिक के अन्दर भी एक साधक मौजूद रहता है। दोनों का लक्ष्य मानवता की सेवा करना ही है। सीमा पर जो सैनिक हमारी सुरक्षा कर रहे हैं वह योग साधना का ही एक रूप है।

-शेष पेज 3 पर...